भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1723
03 अगस्त, 2023 को उत्तर देने के लिए
एसटीईएम शिक्षा में महिलाओं को बढ़ावा दिया जाना

1723. श्री बी. पार्थसारधी रेड्डी:

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वर्तमान में एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए कोई नीतियां हैं;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या सरकार विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) में महिलाओं के लिए कोई छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति प्रदान कर रही है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ड.) क्या एसटीईएम में ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं और बालिकाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सरकार की कोई विशेष नीतियां हैं; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) और (ख) जी हाँ, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष (एसटीआई) नीति, 2013, एसटीईएम में महिलाओं की भागीदारी को संवर्धित और प्रोत्साहित करती है। एसटीआई नीति में लैंगिक समानता और एसटीआई गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी के महत्व का उल्लेख है। इसमें एसटीईएम करियर पथ में महिलाओं की सुविधा के लिए नई और लचीली योजनाएं शुरू करने का भी वर्णन है। इसी क्रम में, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने एसटीईएम में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए समग्र योजना 'विज्ञान और इंजीनियरी में महिलाएं-किरण (डब्ल्यूआईएसई-किरण)' के तहत विभिन्न कार्यक्रम शुरू किए हैं।

(ग) और (घ) जी हां, सरकार डीएसटी की छत्र योजना 'विज्ञान और इंजीनियरी में महिलाएं-किरण (डब्ल्यूआईएसई-किरण)' के अधीन एसटीईएम में महिलाओं के लिए कई छात्रवृत्तियॉ और अध्येतावृतियॉ प्रदान कर रही है। डब्ल्यूआईएसई-किरण योजना का मुख्य उद्देश्य विभिन्न कार्यक्रमों नामत: कैरियर में क्रम भंग

वाली महिला वैज्ञानिकों के लिए महिला वैज्ञानिक योजना, आधारभूत अवसंरचना और अनुसंधान सुविधा के विकास के लिए 'महिला विश्वविद्यालयों में नवाचार और उत्कृष्टता के माध्यम से विश्वविद्यालय अनुसंधान का समेकन (सीयूआरआई)' कार्यक्रम, महिला वैज्ञानिकों को अंतरराष्ट्रीय उद्भासन प्रदान करने के लिए 'स्टेम (विस्टम) में महिलाओं के लिए इंडो-यूएस अध्येतावृति' के माध्यम से अनुसंधान और विकास के प्रक्षेत्र में अधिक महिला प्रतिभाओं को शामिल करके विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रक्षेत्र में लैंगिक समानता में सुधार करना है । इसके अलावा, विज्ञान ज्योति कार्यक्रम युवा लड़कियों को एसटीईएम में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। एक अन्य कार्यक्रम, जेंडर एडवांसमेंट फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंस्टीट्यूशंस (जीएटीआई) प्रोग्राम का उद्देश्य एस एंड टी में महिलाओं की भागीदारी में सुधार के मूल लक्ष्य के साथ और अधिक महिला संवेदनशील पद्धति और समावेशन के लिए संस्थानों का रूपांतर करना है। हाल ही में, डीएसटी ने नए कार्यक्रम नामत: डब्ल्यूआईएसई पोस्ट-डॉक्टरल अध्येतावृति (वाइज-पीडीएफ), पीएचडी के लिए डब्ल्यूआईएसई अध्येतावृति (वाइज-पीएचडी) तथा वरिष्ठ महिला वैज्ञानिकों के लिए विदुषी अध्येतावृति शुरू किए हैं ।

उपर्युक्त कार्यक्रमों के अलावा, विज्ञान और इंजीनियरी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) अनुसंधान गतिविधियों में महिला वैज्ञानिकों की कम भागीदारी पर ध्यान देने के उद्देश्य से "एसईआरबी-पावर (खोजपूर्ण अनुसंधान में महिला अवसर संवर्धन)" लागू कर रहा है। इसके अलावा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के 'बायोटेक्नोलॉजी करियर एडवांसमेंट एंड री-ओरिएंटेशन प्रोग्राम (बायोकेयर)' का लक्ष्य भी जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान में महिला वैज्ञानिकों की भागीदारी को बढ़ाना है।

(ड.) और (च) जी, हां, डीएसटी 'महिलाओं के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एसटीडब्ल्यू)' कार्यक्रम लागू कर रहा है, जिसका उद्देश्य लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के इनपुट से आधारभूत स्तर पर महिलाओं को सशक्त बनाना है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को उनके निवास स्थल में उपयुक्त प्रौद्योगिकियों और उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से आजीविका सृजन में सशक्त बना रहा है, जिससे आय सृजन होने लगा है। यह कार्यक्रम महिलाओं के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकियों के अनुकूलन, अंतरण और प्रदर्शन और स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और सफाई ; महिला सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा; कृषि खेती और गैर खेती कारीगरों और कपड़ा के चिह्नित प्रमुख क्षेत्रों में महिला प्रौद्योगिकी पार्क की स्थापना और प्रमुख/लक्षित लाभार्थियों के रूप में महिलाओं की आजीविका की स्थिति में सुधार विषयक आर एंड डी से संबंधित परियोजनाएं सहायित करता है। देश भर में 50,000 से अधिक महिलाएं हैं जो इस कार्यक्रम से लाभान्वित हुईं। इसके अलावा, डीएसटी का विज्ञान ज्योति कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में, खासकर उन क्षेत्रों में जहां महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम है, रहने वाली बड़ी संख्या में लड़कियों को एसटीईएम (विज्ञान प्रौद्योगिकी इंजीनियरी गणित) में उच्च शिक्षा ग्रहण करने और करियर बनाने के लिए लाभान्वित करता है।

*****